भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल और स्वच्छता विभाग

पेयजल और स्वच्छता विभाग के संबंध में अक्टूबर, 2024 के महीने के लिए मासिक सारांश

I. जल जीवन मिशन (जेजेएम)

अक्टूबर 2024 के महीने में 6.34 लाख नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, जिससे अगस्त 2019 में मिशन के शुभारंभ के बाद से यह संख्या लगभग 12.01 करोड़ नल जल कनेक्शन पर पहुंच गई है। 01.11.2024 तक, 19.34 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 15.24 करोड़ (78.84%) ग्रामीण परिवारों को नल जल की आपूर्ति मिल रही है।

पात्र राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 16,45.72 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है, जिससे 2024-25 में जेजेएम के कार्यान्वयन के लिए 70,162.90 करोड़ रुपये की बजटीय राशि के मुकाबले कुल जारी राशि 21,507.73 करोड़ रुपये हो गई है।

II. स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण - चरण-II

सितंबर 2024 के दौरान 4,00,987 व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (आईएचएचएल) और 748 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों (सीएससी) का निर्माण किया गया है। इस अवधि के दौरान 36,039 गांवों ने स्वयं को ओडीएफ प्लस घोषित किया है। माह के दौरान 24,210 गांवों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से कवर किए जाने की सूचना है और 5,899 गांवों को तरल अपशिष्ट प्रबंधन से कवर किए जाने की सूचना है।

अक्टूबर 2024 के दौरान 832.17 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया गया, जिससे वर्ष 2024-25 के लिए उपयोग की गई राशि 7192.00 करोड़ की बजटीय राशि के मुकाबले 1846.45 करोड़ हो गई।

III. "स्वच्छ भारत दिवस" का आयोजन 2 अक्टूबर, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया था। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उनके साथ केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) के मंत्री - श्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री- श्री सीआर पाटिल, केंद्रीय राज्य मंत्री (एमओएस), श्री तोखन साहू (एमओएचयूए) और श्री राज भूषण चौधरी (डीडीडब्ल्यूएस) भी उपस्थित थे।

IV. स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित किया गया। प्रमुख उपलब्धियों में 8.29 लाख से अधिक स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) का परिवर्तन और लगभग 1.6 लाख सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों का सफल संचालन शामिल है, जिससे 43 लाख से अधिक स्वच्छता कर्मचारी लाभान्वित हुए हैं। एक पेड़ मां के नाम पहल के हिस्से के रूप में, 71.4 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए, जो पर्यावरणीय स्थिरता के साथ

स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाते हैं। 42 केंद्रीय मंत्रियों, 10 राज्यपालों/प्रशासकों, 19 मुख्यमंत्रियों, 149 सांसदों, 188 राज्य मंत्रियों और 939 विधायकों/एमएलसी ने स्वच्छता ही सेवा 2024 में भाग लिया है। साथ ही 90 से अधिक हस्तियों ने अभियान में भाग लिया।

V. एमओजेएस डीडीडब्ल्यूएस और जे-पीएएल दक्षिण एशिया ने ग्रामीण भारत में पेयजल और स्वच्छता सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए 25.10.2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

VI. यूनिसेफ इंडिया के साथ प्रगति और योजना की समीक्षा के लिए 17.10.2024 को एक बैठक आयोजित की गई तथा वॉश क्षेत्र में प्रभाव अध्ययन करने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

VII. विभाग ने 28.10.2024 को नई दिल्ली में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ "नेशनल विज़निंग वर्कशॉप फॉर वाश" का आयोजन किया, जिसमें जेजेएम और एसबीएम (जी) संबंधी चुनौतियों को दूर करने के लिए आगे की कार्यनीति पर चर्चा की गई। अक्टूबर 2024 में आर्सेनिक और फ्लोराइड शमन के लिये स्थापित सीडब्ल्यूपीपी की कार्यशीलता का मूल्यांकन करने के लिये पंजाब, राजस्थान, ओडिशा और पश्चिम बंगाल राज्यों के 19 ज़िलों का दौरा करने हेतु 36 राष्ट्रीय वॉश विशेषज्ञों (एनडब्ल्यूई) को नियोजित किया गया था।

VIII. एसबीएम (जी) की मध्य-वार्षिक समीक्षा और साथ ही एसबीएम 3.0 के लिए विज़निंग कार्यशाला का आयोजन 28 अक्टूबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया गया था। बैठक में एसबीएम (जी) के पिछले 10 वर्षों के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों और भावी मार्ग पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्यों ने एसबीएम 3.0 के लिए सुझाव/सूचना प्रदान की है।

IX. अक्टूबर 2024 महीने में, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय जल और स्वच्छता संस्थान (एसपीएम-निवास) ने ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के लिए परिसंपत्ति प्रबंधन परिपाटियों, स्मार्ट ग्रामीण जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के अनुकूलन के लिए आईओटी का लाभ लेने, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों के संचालन प्रबंधन और सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग पर जेजेएम तथा एसबीएम-जी से संबंधित विविध क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 10 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। विभिन्न राज्यों से 1,018 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

***